सामाजिक विज्ञान

कक्षा 8

(इतिहास)

Chapter 8: राष्ट्रीय आंदोलन का संघटन 1870-1947

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

प्रश्न 1 : 1870 और 1880 के दशकों में लोग ब्रिटिश शासन से क्यों असंतुष्ट थे ?

उत्तर: 1870 और 1880 के दशकों में लोग ब्रिटिश शासन से निम्नलिखित कारणों से असंतुष्ट थे:

1. अंग्रेजों ने 1878 में आर्म्स एक्ट पारित किया जिसके जरिए भारतीयों से अपने पास हथियार रखने का अधिकार छीन लिया गया।
2. इसी साल में वर्नाकुलर प्रेस एक्ट भी पारित किया गया जिसके द्वारा प्रेस की आजादी छीन ली गई।
3. अंग्रेजी शासन द्वारा इल्बर्ट बिल को वापिस ले लिया गया जो अंग्रेजों और भारतीय न्यायधीशों के बीच समानता स्थापित करने के लिए लाया जाना था।
4. इन सभी घटनाओं से अंग्रेजों की नीयत का पता चलता है। लोग अंग्रेजी शासन से असंतुष्ट थे।

प्रश्न 2: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस किन लोगों के पक्ष में बोल रही थी ?

उत्तर: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भारत के सभी समुदायों के पक्ष में बोल रही थी।

प्रश्न 3: पहले विश्व युद्ध से भारत पर कौन से आर्थिक असर पड़े ?

उत्तर: पहले विश्व युद्ध से भारत पर निम्नलिखित आर्थिक असर पड़े -

1. इस युद्ध की वजह से अंग्रेजों के रक्षा खर्च में भारी इजाफा हुआ था।
2. इस खर्च की पूर्ति के लिए सरकार ने कर बढ़ा दिए।
3. सैनिक व्यय में इजाफे तथा युद्धक आपूर्ति की वजह से जरुरी चीजों की कीमतों में भारी उछाल आया।
4. आम लोगो की जिन्दगी मुश्किल होती गई और व्यापारी बहुत मुनाफा कमाते गए।
5. इस युद्ध में औद्योगिक वस्तुओं (जुत के बोरे, कपड़े, पटरियाँ) की माँग बढ़ गई और अन्य देशों से आयात में कमी आ गई थी।

प्रश्न 4. 1940 के मुस्लिम लीग के प्रस्ताव में क्या माँग की गई थी ?

उत्तर: 1940 में मुस्लिम लीग ने देश के पश्चिमोत्तर तथा पूर्वी क्षेत्रों में मुसलमानों के लिए "स्वतंत्र राज्यों" की माँग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव में विभाजन या पाकिस्तान का जिक्र नहीं था। मुस्लिम लीग एक स्वायत व्यवस्था की माँग कर रहे थे।

प्रश्न 5 : मध्यमार्गी कौन थे ? वे ब्रिटिश शासन के खिलाफ किस तरह का संघर्ष करना चाहते थे ?

उत्तर: मध्यमार्गी वे नेता थे जो शासन में अपनी भागीदारी चाहते थे। उन्होंने सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए मध्य मार्ग अपनाया। मध्यमार्गी नेता जनता को ब्रिटिश शासन के अन्यायपूर्ण चरित्र से अवगत कराना चाहते थे। उन्होंने अख़बार निकाले, लेख लिखे और यह साबित करने का प्रयास किया कि ब्रिटिश शासन देश को आर्थिक तबाही की तरफ ले जा रहा है। उन्होंने अपने भाषणों में ब्रिटिश शासन की निंदा की और जनमत निर्माण के लिए देश के विभिन्न भागों में अपने प्रतिनिधि भेजे।

प्रश्न 6: कांग्रेस के आमूल परिवर्तनवादी धड़े की राजनीति मध्यमार्गी धड़े की राजनीति से किस तरह भिन्न थी?

उत्तर: कांग्रेस के आमूल परिवर्तनवादी धड़े को गरम दल भी कहा जाता है। उन्होंने मध्यमार्गियों के तौर तरीकों पर सवाल खड़े करने शुरू कर दिए। वे निवेदन की राजनीति की आलोचना करने लगे। उन्होंने आत्मनिर्भरता तथा रचनात्मक कामों के महत्त्व पर जोर दिया। उनका मानना था कि लोगों को सरकार के नेक इरादों पर नहीं बल्कि अपनी ताकत पर भरोसा करना चाहिए। लोगों को स्वराज के लिए लड़ना चाहिए।

प्रश्न 7: चर्चा करें कि भारत के विभिन्न भागों में असहयोग आन्दोलन ने किस-किस तरह के रूप ग्रहण किए ? लोग गाँधीजी के बारे में क्या समझते थे ?

MUKUTclasses

उत्तर: असहयोग आन्दोलन में लोगों ने अपने तरीके से भाग लिया जो निम्न है:

1. गुजरात के खेड़ा में पाटीदार किसानों ने अंग्रेजों द्वारा थोप दिए गए भारी लगान के खिलाफ अहिंसक अभियान चलाया।
2. तटीय आन्ध्र प्रदेश और तमिलनाडु के भीतरी भागों में शराब की दुकानों की घेराबंदी की गई।
3. आन्ध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में आदिवासी और गरीब किसानों ने बहुत सारे "वन सत्याग्रह" किए।
4. बहुत से वन गांवों में किसानों ने स्वराज की घोषणा कर दी। उन्हें उम्मीद थी कि जल्दी ही गांधीराज स्थापित होने वाला है।
5. पंजाब में सिखों ने अकाली आन्दोलन शुरू कर दिया जो असहयोग आन्दोलन से काफी घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ दिखाई दे रहा था।

लोग गाँधी जी को एक मसीहा, एक ऐसा व्यक्ति समझते थे जो उन्हें मुसीबतों और गरीबी से छुटकारा दिला सकता है।

प्रश्न 8: गाँधीजी ने नमक कानून तोड़ने का फैसला क्यों लिया ?

उत्तर: गाँधीजी ने नमक कानून तोड़ने का फैसला इसलिए लिया क्योंकि नमक का अमीर-गरीब सभी प्रयोग करते थे। यह भोजन का अभिन्न हिस्सा था। नमक कानून का विरोध करके गांधी जी ने आम जनता को आंदोलन में शामिल करना चाहते थे। गांधी जी की नमक कानून तोड़ने की दांडी यात्रा में लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। अत: नमक यात्रा आंदोलन के लिए एक असरदार प्रतीक साबित हुआ।

प्रश्न 9 : 1937-47 की उन घटनाओं पर चर्चा करें जिनके फलस्वरूप पाकिस्तान का जन्म हुआ?

उत्तर: 1937 से 1947 के बीच निम्न घटनाएँ हुए जिनके फलस्वरूप पाकिस्तान का जन्म हुआ:-

1. 1937 के चुनावों की हार ने मुस्लिम लीग को यकीन दिला दिया कि मुसलमान अल्पसंख्यक है और किसी भी लोकतान्त्रिक संरचना में उन्हें हमेशा गौण भूमिका निभानी पड़ेगी।
2. मुस्लिम लीग को भय था कि संभवत उन्हें प्रतिनिधित्व ही नहीं मिल पाये।
3. चालीस के दशक में कांग्रेस के ज्यादातर नेता जेल में थे इस समय में लीग ने अपना प्रभाव बनाना शुरू कर दिया।
4. 1946 के प्रांतीय चुनाव में मुस्लिम लीग ने आरक्षित सीटों पर बेजोड़ जीत हासिल की।
5. मुस्लिम लीग ने "पाकिस्तान" की माँग मनवाने के लिए जनआन्दोलन शुरू कर दिए। लीग ने 16 अगस्त 1946 को "प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस" मानने का आह्वान किया।

MUKUTclasses